Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

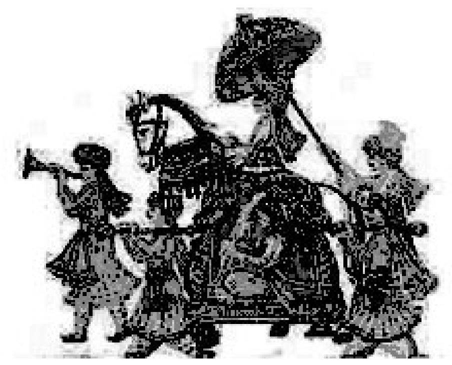

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

गोरी नदी के बढ़ रहे जल स्तर से पुल आया खतरे की चपेट में

आफत

■ लोनवि पक्का पुल बनाने में दिखा रहा असमर्थता

पुल बहा तो गोरीपार के तीन सौ से अधिक परिवार पडेगें अलग थलग

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। गोरी नदी पर सुरिंगगाड के पास लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया कच्चा पुल अब खतरे की चपेट में आ चुका है। बता दें कि यह पुल गोरी नदी के दिन रात बढ़ रहे जल स्तर के कारण किसी भी समय बह सकता है। पुल के बहने से गोरीपार के तीन सौ अधिक परिवार अलग थलग पड सकते है।

जानकारी के मुताबिक सुरिंगगाड के पास गोरीनदी पर लोक निर्माण का पक्का पुल 25 मार्च को बह गया था। लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल के निकट दो विशाल चटटानों के बीच संकरी हो चुकी नदी के उपर लकड़ी का कच्चा पुल बनाया। पिछले बीते दो माह बीतने के बाद भी अब तक लोनवि यहां पर पक्का पुल बनाने में असमर्थता दिखा रहा है। लगातार क्षेत्र में हो रही भारी बारिश और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में

ग्लेशियर के पिघलने की वजह से अब गोरी नदी का जल स्तर काफी बढ़ रहा है। जिस स्थान पर कच्चा पुल बनाया गया है उस स्थान पर ग्लेशियर के पिघलने के बाद से गोरी नदी का जल स्तर पत्थरों के उपर तक पहुंच रहा है। इलाके के लोगों को भय सता रहा है कि कही पुल बह गया तो इससे इलाके के आसपास बसे गांवों को खतरा तो होगा ही साथ ही जनजीवन भी अस्त व्यस्त हो जायेगा।

दो माह बीतने के बाद भी लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक पक्का पुल नही बनाया गया है। ऐसे समय में क्षेत्र के लोगों में खासी परेशानी देखने को मिल रही है। क्षेत्र के ग्रमीणों ने इलाके मे लोक निर्माण विभाग के कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने के साथ गहरी नाराजगी जाहिर की है।

क्षेत्र के ग्रम प्रधान रमेश कोरंगा व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने इस बावत जिले के जिलाधिकारी व क्षेत्र के उपजिलाधिकारी को पत्र के माध्यम से यथा शीघ्र पुल निर्माण का काम शुरू कराये जाने की मांग की है। पुल के बह जाने से प्रभावित होने वाले ये गांव ढीलम,कुलथम, फल्याटी,लैगा,उच्छैती,धूरातोली के तीन सौ परिवारों के प्रभावित होने के आसार बने हुए है। क्षेत्र के लोग इसी पुल के माध्यम से मुनस्यारी व बाजारों को आने के लिए आवाजाही भी किया करते है। ऐसे समय में पुल के बह जाने से इलाके के लोगों को कई किमी अतिरिक्त पैदल चनले को मजबूर होना पडेगा।

इस मामले पर क्षेत्र के उपजिलाअधिकारी एके शुक्ला ने बताया कि ग्रमीणों की समस्या का समाधान बहुत जल्द कर लिया जायेगा। वहीं संबधित विभाग द्वारा इस संदर्भ में यथाशीघ्र हल निकालने के प्रयास किये जायेगे।

न्यूज डायरी

क्वारंटाइन सेंटर से फरार हुआ प्रवासी

संवाददाता पिथौरागढ़। तहसील डीडीहाट के अंतर्गत राजकीय इंटर कालेज सिंगाली में क्वारंटाइन कर रहा एक प्रवासी फरार हो गया। फरार हुए प्रवासी का अब तक कुछ भी पता नही चल पाया है। सिंगाली के कफतौली गांव निवासी देव राम पुत्र हरक राम अठारह मई को गुजरात से यहां पहुचा था। उसे राजकीय इंटर कालेज सिंगाली में क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया था। वह यहां से फरार हो चुका है। वह इसकी जानकारी डीडीहाट के उपजिलाधिकारी को दे दी गई है।

सीमांत तहसील क्षेत्र के वमनगांव के तीन बच्चे आये डायरिया की चपेट मे

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत तहसील मुंसयारी केवमनगांव में डायरिया की चपेट में आने सेतीन बच्चों की बनी गंभीर हालत पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर किये जाने के समाचार मिले है। वही डायरिया फैलने पर गांव के ग्रमीणों में डर का माहौल बना हुआ है। वही इलाके के ग्रमीणों ने जल्द जल्द क्षेत्र में स्वास्थ विभाग की टीमें भेजने की मांग की है।

बेरीनाग में बारह क्वारंटाइन सेंटरों में रखे गये चारसौ अडतालीस लोग

संवाददाता पिथौरागढ़। बेरीनाग में बाहरी प्रदेशों से आये प्रवासियों केलिए बारह क्वारंटाइन सेंटर बनाये गये है। वही इन क्वारंटाइन सेंटरों में चार सौ अडतालीस प्रवासी रखेगये है। वही क्वारंटाइन सेंटरों में रखे गयेप्रवासियों पर प्रशासन लगातार नजर बनाये हुए है। बता दें कि यहा अभी ज्यदा से ज्यादा प्रवासियों के आने की संभावना बनी हुई है। तहसीलदार पंकज चंदोला ने बताया कि प्रावासियों को काई दिक्कत न हो इसके लिए प्रशासन की ओर से सामूहिक प्रयास किये जा रहे है।

क्वारंटाइन संेटरों में रखे गये प्रवासियों के लिए गये सैपल

संवाददाता पिथौरागढ़। सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र मुंसयारी में भी प्रवासियों के सैंपल लेने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। बता दें कि केएमवीएन बिर्थी में बने आइसोलेशन वार्ड में रखे छह संदिग्धों के सैपल लेकर जिला मुख्यालय भेज दिये गये है। वही चिकित्सा टीम ने बताया कि उक्त संदिग्ध कोरोना पाजिटिवों के संपर्क में आये हुए थे। जिन्हें जांच लेने के बाद से ही आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

मुख्यमंत्री व मंत्री खुद संस्थागत क्वारंटाइन सेंटरों में बिताए एक रात

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश की त्रिवेंद्र सरकार पर कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण से निपटने के मामले में सरकार द्वारा बरती गई लापरवाही व प्रवासियों के लिए बनाए गए क्वारंटाइन सेंटरों की बदहाली के मामले में जोरदार हमला करते हुए भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा कांग्रेस से हिसाब मांगने के औचित्य पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व मंत्री खुद राजधानी के संस्थागत क्वारंटाइन सेंटरों में एक रात बिताएं।

धस्माना ने कहा कि राज्य में संक्रमण की गति थमने का नाम नहीं ले रही और उसका सबसे बड़ा कारण प्रदेश सरकार की कोरोना से निपटने की लचर नीति, अनिर्णय व रोल बैक तथा प्रवासियों के वापस आने पर उनकी उचित व्यवस्था न होना है। उन्होंने कहा कि प्रवासियों के लिए ना तो कायदे के क्वारंटाइन केंद्र बनाए गए ना ही उनके आने पर उनकी जांच का उचित प्रबंध किया गया। उन्होंने कहा कि हिसाब सरकार से मांगना चाहिए पर भाजपा प्रवक्ता हिसाब कांग्रेस से मांग रहे हैं।

नदियों में खनन को लेकर एसडीएम व प्रधानों में तनातनी

संवाददाता पुरोला। गांव में निमार्ण कार्यों को पत्थर खन्नन को लेकर क्षेत्र के प्रधानों व प्रतिनिधियों ने एसडीएम पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा है। खंड विकास अधिकारी के माध्यम से प्रेषित ज्ञापन में प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों नें अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा।

मामला मंगलवार का है जब प्रधान संगठन के अध्यक्ष अरविंद पंवार,धरम लाल दोरियाल आदि ने नदी से खनन किये गए पत्थरों को एसडीएम मनीष कुमार ने जब्त कर तहसील परिसर में ढुलान कराने के बावत बात करनी चाही वहीं एसडीएम मनीष कुमार ने खनन संबंधित नियमो का हवाला देकर बगैर अनुमति पत्थर आदि खनन करने पर कार्यवाही करने की बात कही।

जनप्रतिनिधियों का कहना है कि उन्होंने ने एसडीएम से घरेलू उपयोग को पत्थरचुंगान की अनुमति देने की बात कही जिस पर दोनों पक्षों में गरमा गरमी व.बहस भी हो गयी। वहीं प्रकरण

प्रधानों ने एसडीएम पर लगाया अभद्र व्यवहार का आरोप, डीएम को भेजा ज्ञापन

पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को बीडीओ टीएस रावत के माध्यम से डीएम व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर नाराजगी जताई व कार्यवाही की मांग की साथ ही कार्यवाही न होने पर विकास कार्यों में संगठन की ओर से कोई भी प्रतिभाग न करने की चेतावनी दी। एसडीएम मनीष कुमार ने प्रतिनिधियों संग अभद्र व्यवहार से इंनकार करते हुए कहा कि शासन के द्वारा बगैर अनुमति के नदियों,गाड गदेरों से खनन करनें पर प्रतिबंध है,जबकि मोल्टाडी, घुंडाडा क्षेत्र में कमल नदी पर भारी मात्रा में धडल्ले से अवैध खनन हो रहा है, इसी बारे प्रतिनिधियों से वार्ता हो रही थी ।

ज्ञापन पर व्लाक प्रधान संगठन अध्यक्ष अरविंद पंवार अंकित रावत, धरमलाल दोरियाल,सोबनलाल, अनिता अमिता,मोनिका,बनिता,धीरपाल,योगेश आदि के हस्ताक्षर हैं।

कोरोना खतरे को रोकने को दिन रात जुटे है नगर पंचायत कर्मी

संवाददार्ता

■सेनेटाइज व देर सांय को फैग छिड़काव करनें में जुटे पर्यावरण मित्र व वार्ड सदस्य

■नगर अध्यक्ष समेत कर्मचारियों व सभासदों ने लिया संक्रमण को रोकने का संकल्प

पुरोला। बहारी राज्यों व शहरों से आ रहे प्रवासियों से कोरोना वैश्विक महामारी के क्षेत्र में बढ़ते खतरे को देखते हुए नगरपंचायत पुरोला के नगर अध्यक्ष सहित सभी कर्मचारियों,सभासदों,पर्यावरण मित्रों ने कोरोना के खिलाफ जंग लडने का संकल्प लिया है।

अध्यक्ष हरिमोहन नेगी के नेतृत्व में नगर प्रशासन पूरे मुस्तेदी से दिनरात कार्य कर रही है नगरपंचायत के कर्मचारी पूरे नगर में सेनेटाइज,फोग से बढ़ते सक्रमण को रोकने की कोशिश में लगे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना के क्षेत्र में बढ़ते सक्रमण के अंदेशा को देखते हुए नगर पंचायत बाजार खुलते ही दुकानों सहित वाहनों,वार्ड को सेनेटाइज कर व सांय को पूरे नगर में फोग कर कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के प्रयास में लगे है।

नगर अध्यक्ष हरिमोहन सिंह नेगी ने बताया कि जिस प्रकार से प्रवासियों के आने से कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है उससे हमारी जिमेदारिया बढ़ गयी उन्होंने बताया कि इस संकट की घड़ी में सब को मिल कर धैर्य के साथ इस महामारी का सामना करना चाहिए साथ ही उन्होंने क्षेत्र के सभी लोंगो घरों में साफ सफाई,हाथों को बार बार सेनेटाइज करने व मास्क को अनिवार्य रूप से पहनने की अपील की साथ ही इस कार्य मे दिनरात अपने परिवार की चिंता किये बगैर लगे सभी कर्मचारियों व सभी शफाई गणों का धन्यबाद किया।

अमेजन इंडिया ने 100 से अधिक शहरों के लिए पैकेजिंग–फ्री शिपिंग का दायरा बढ़ाया

संवाददाता देहरादून। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि अपनी सप्लाई चेन में पैकेजिंग वेस्ट को कम से कम करने के लिए इसने एक नई उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपनी भारत भर में की जा रही पहल, पैकेजिंग–फ्री शिपिंग (पीएफएस) को देश के 100 से अधिक शहरों में विस्तारित किया है।

पीएफएस एक स्थायी पैकेजिंग समाधान है जिसमें ग्राहकों के ऑर्डर्स को उनकी मूल पैकेजिंग में ही भेजा जाता है। इसके लिए कोई अतिरिक्त पैकेजिंग नहीं की जाती या फिर बहुत कम पैकेजिंग की जाती है। अमेजन ने 9 शहरों में जून 2019 में पहली बार भारत में पीएफएस को लॉन्च किया था और एक साल में ही कंपनी 100 से अधिक शहरों में सफलतापूर्वक इस कार्यक्रम का विस्तार करने में सक्षम रही है। पीएफएस के इस विस्तार के साथ, अमेजन इंडिया फुलफिलमेंट सेंटर्स से भेजे गए 40 प्रतिशत से अधिक अमेजन ऑर्डर्स अब या तो पैकेजिंग–मुक्त हैं या इनकी पैकेजिंग को कम किया गया है। पीएफएस के साथ, ग्राहकों के कई ऑर्डर्स डिलिवरी के दौरान पूरी तरह सुरक्षित हैं।